G-441

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ का प्राचीन नाम क्या था ?
2. छत्तीसगढ़ मित्र मासिक पत्रिका के संपादक कौन थे ?
3. छत्तीसगढ़ के ख्यातिलब्धि भाषाविद् का नाम लिखिए।
4. 'खूब तमाशा' के रचनाकार का नाम लिखिए।
5. छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक सरस्वती पत्रिका का संपादन करने वाले छत्तीसगढ़ के साहित्यकार का नाम लिखिए।
6. छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में बोली जाने वाली गोड़ी भाषा किस परिवार की शाखा है ?
7. छत्तीसगढ़ का प्रयाग किसे कहा जाता है ?
8. अरपा नदी के किनारे कौन-सी नगरी बसी है ?

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ में संज्ञा के तीनों रूपों के प्रयोग के **एक-एक** उदाहरण लिखिए।

10. छत्तीसगढ़ी में दोनों लिंगों के लिए प्रयुक्त होने वाले संज्ञा का **एक** उदाहरण लिखिए।

11. छत्तीसगढ़ी में प्रयुक्त ढेखी, लबरी, करिया, जुच्छा, सुघ्घर शब्दों का हिन्दी रूप लिखिए।

12. छत्तीसगढ़ी में कालवाचक एवं स्थानवाचक अव्यय के **एक-एक** उदाहरण लिखिए।

13. निम्नलिखित छत्तीसगढ़ी शब्दों का हिन्दी रूप लिखिए :

    (i) अनचिन्हार

    (ii) सौगुन

    (iii) दुब्बर

    (iv) निरच्छर

    (v) परिकरमा

14. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य का **एक-एक** उदाहरण लिखिए।

खण्ड—स

15. निम्नलिखित का अर्थ लिखिए :

    (i) एक खेत का ढेला होना

    (ii) आमा ल अमली कहना

    (iii) आगी खाना

    (iv) कनिहा टूटना

    (v) कोदो दरना

16. छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली मिट्टी के प्रकार लिखिए।

17. छत्तसीगढ़ के वनों के अंतर्गत पाए जाने वाले **पाँच** वृक्षों के नाम लिखिए।

18. छत्तीसगढ़ी कारक रचना के कर्म एवं संप्रदान के रूपों का उदाहरण लिखिए।

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा पर प्रकाश डालिए।

20. छत्तीसगढ़ का संक्षिप्त इतिहास लिखिए।

21. छत्तीसगढ़ भाषा की आधारभूत शब्दावली पर प्रकाश डालिए।

22. गर्जना उपवास पर गद्य का प्रारूप छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखिए।

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

24. 'साहित्य में छत्तीसगढ़ी शब्द के प्रयोग' विषय पर निबन्ध लिखिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2022—23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2022—23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G-442

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. संघौरी संस्कार कब होता है ?
2. चुलमारी क्या है ?
3. देवार किस प्रकार की जाति है ?
4. ‘भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन’ में लोकगाथा के लिए प्रयुक्त शब्द क्या है ?
5. छत्तसीगढ़ी में ‘चंदौनी’ लोकगाथा को क्या कहा जाता है ?
6. रहस की प्रस्तुति किसकी लीला पर आधारित है ?
7. छत्तसीगढ़ में पण्डवानी लोकगाथा के प्रचलित रूप क्या हैं ?
8. लोकनाट्य के **दो** भेद कौन-से हैं ?

खण्ड—ब

9. भागगीत का परिचय दीजिए।
10. भरथरी की कथा प्रस्तुत कीजिए।
11. अहिमन रानी की गाथा लिखिए।
12. छत्तसीगढ़ी लोककथा की भाषाशैली लिखिए।

13. कृषि सम्बन्धी कोई **दो** हानियाँ लिखिए।
14. लोक साहित्य को परिभाषित कीजिए।

खण्ड—स

15. छत्तसीगढ़ी लोकगाथाओं का परिचय एवं विशेषताएँ बताइए।
16. लोकगाथाओं के संगीत की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
17. छत्तसीगढ़ी लोककथाओं एवं ऐतिहासिक लोककथाओं पर प्रकाश डालिए।
18. लोककथाओं में निहित शिक्षाप्रद बातों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—द

19. लोकगाथा और लोककथा में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए।
20. छत्तसीगढ़ी लोकगीतों का परिचय दीजिए।
21. लोककथा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
22. छत्तसीगढ़ी संस्कार गीतों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—इ

23. छत्तसीगढ़ी मुहावरों और कहावतों पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।
24. छत्तसीगढ़ी लोककथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी साहित्य **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'छत्तीसगढ़ी रामायण' किसकी अप्रतिम काव्यकृति है ?
2. 'छत्तीसगढ़ी' मासिक पत्रिका के संपादक का नाम लिखिए।
3. 'धमनी हाट' किसकी रचना है ?
4. छत्तीसगढ़ी और हल्बी के सामंजस्य लाने वाले साहित्य साधक कौन थे ?
5. 'नोनी बेंदरी' किसकी काव्यकृति है ?
6. छत्तीसगढ़ी पत्रिका 'भोजली' के संपादक कौन हैं ?
7. अवधी और बघेली किसकी सहोदरा हैं ?
8. 'गोरस के मोल' किसकी कहानी है ?

खण्ड—ब

9. 'अइसन दीया बार' का भावार्थ लिखिए।
10. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र' की छत्तीसगढ़ी रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
11. लाल जगदलपुरी ने बादल को शुखहाली का दूत क्यों कहा है ?

12. 'सबो खेत ला बना दिन खदान' शीर्षक कविता में हरि ठाकुर ने किसानों की किन समस्याओं का जिक्र किया है ?
13. "बादर ला गीत तै सुनाये/मया ला बिसार झन/माटी के गोहार सुन/चना, गेहूँ के जगैया।" इस पंक्ति में कवि ने किसान के बारे में क्या कहा है ?
14. लक्ष्मण मस्तुरिया की किन्हीं **पाँच** काव्यकृतियों के नाम लिखिए।

खण्ड—स

15. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

चारों बुट म चुहुल फुहुल,
अब करथें चिरई चुनगुन।
भौंरा घलो भये हे बइहा,
करथे गुनगुन गुनगुन।

16. पं. श्यामलाल चतुर्वेदी की कहानियों की विशेषता लिखिए।
17. 'मोर संग चलव' कविता का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
18. 'हाय तोला नई बचाए सकेंव' कहानी का सारांश लिखिए।

खण्ड—द

19. कहानी के तत्वों के आधार पर 'नाव के नेह माँ' की समीक्षा अपने शब्दों में लिखिए।
20. "श्री शिवशंकर शुक्ल आधुनिक भावबोध के छत्तीसगढ़ी कथाकार हैं।" इस कथन के आलोक में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
21. "'छत्तीसगढ़ी वंदना' छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, आँचलिकता की महक और राज्य की एकता का द्योतक है।" इस कथन की युक्तिसंगत विवेचना कीजिए।
22. 'मया के अंचरा' कहानी में वर्णित 'केतकी' और 'मंगलू' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड—इ

23. परदेशीराम वर्मा कृत 'हमला तंय झन करमा जी' कहानी में ग्रामीण जीवन में घटित हो रहे अतिक्रामक रूप का किस तरह से वर्णन किया गया है ? सविस्तार समझाइए।
24. कथा तत्वों के आधार पर 'गोरस के मोल' कहानी की विस्तृत विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G-444

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. प्रारूपण के कितने प्रकार हैं ?
2. लेखक रेडियो के प्रसारण का क्या मानता है ?
3. छत्तीसगढ़ी लिखते समय कौन-सी शैली प्रयुक्त होती है ?
4. रेडियो रंगीला में प्रति रविवार छत्तीसगढ़ी गीतों का कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। (सत्य/असत्य)
5. पत्राचार को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?
6. रेडियो में 'मोर भुइयाँ' कार्यक्रम आता है। (सत्य/असत्य)
7. नन्दकिशोर तिवारी किस पत्रिका के सम्पादक हैं ?
8. IBC-24 में सायं 7 : 30 पर कौन-सा कार्यक्रम प्रसारित होता है ?

खण्ड—ब

9. दस फल-फूल सम्बन्धी छत्तीसगढ़ी शब्द लिखिए।

10. छत्तीसगढ़ी में विज्ञापन को उदाहरण सहित लिखिए।

11. छत्तसीगढ़ी में निगम को शिकायत पत्र लिखिए।

12. रेडियो में प्रसारित छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम बताइए।

13. छत्तीसगढ़ी के सन्दर्भ में IBC-24 की क्या सहभागिता है ?

14. छत्तीसगढ़ी अर्ध-सरकारी पत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ी में नाप-तौल की परम्परा पर प्रकाश डालिए।

16. छत्तीसगढ़ी में समाचार प्रसारण पर लिखिए।

17. छत्तीसगढ़ी समाचारों की कोई **पाँच** वेबसाइट्स लिखिए।

18. छत्तीसगढ़ी में जाति प्रमाण-पत्र का प्रारूप लिखिए।

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी में प्रेस विज्ञप्ति का नमूना प्रस्तुत कीजिए।

20. छत्तीसगढ़ी लेखन में स्वरों के मानकीकरण पर प्रकाश डालिए।

21. छत्तीसगढ़ी फिल्मों के वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डालिए।

22. छत्तीसगढ़ी प्रयोजनमूलक शब्दों को लिखिए।

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी राजभाषा (संशोधन) विधेयक, 2007 पर प्रकाश डालिए।

24. रेडियो एवं टी. वी. मीडिया की छत्तीसगढ़ी भाषा पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2022—23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2022—23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**